आत्मज्ञान ही ज्ञान है, शेष सभी अज्ञान।
आत्मशान्ति का मूल है, वीतराग-विज्ञान।।

पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर द्वारा संचालित एवं श्री गुरुदत्त कुन्दकुन्द कहान दिग. जैन स्वाध्याय मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित

52वाँ वीतराग-विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर

रविवार, दिनांक 20 मई 2018 से बुधवार, दिनांक 6 जून 2018 तक

अध्यात्मप्रेमी बन्धुवर,

आपको यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता होगी कि आध्यात्मिकसत्पुरुष श्री कानजीस्वामी के सदुपदेश से संस्थापित पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट जयपुर द्वारा संचालित 52वाँ श्री वीतराग-विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण प्रशिक्षण शिविर इस वर्ष सिद्धायतन-द्रोणगिरि (म.प्र.) में रविवार, दिनांक 20 मई 2018 से बुधवार, दिनांक 6 जून, 2018 तक अनेकानेक मांगलिक कार्यक्रमों सहित आयोजित होने जा रहा है।

इसी अवसर पर डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल द्वारा नवरचित श्री समयसार, प्रवचनसार एवं नियमसार महामंडल विधान भी संपन्न होंगे।

जिनधर्म प्रभावना का यह एक महान लोकोत्तर अनुष्ठान है कि जिसमें कोमलमति बालकों एवं युवाओं को जैनधर्म के मूलभूत सिद्धान्तों का ज्ञान कराया जायेगा एवं प्रशिक्षणार्थियों को सुयोग्य प्रशिक्षकों द्वारा इस तात्त्विक विद्या को जन-जन तक पहुँचाने की कला की प्रयोगात्मक पद्धति और मनोवैज्ञानिक शिक्षण विधियाँ सिखाई जायेंगी एवं इसका प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। शिविर में विद्वानों के प्रवचनों, व्याख्यानमाला एवं प्रौढ कक्षाओं का भी आयोजन किया जायेगा।

इस अवसर पर देश-विदेश में ख्यातिप्राप्त तार्किक विद्वान डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल जयपुर, पण्डित रतनचन्दजी भारिल्ल जयपुर, ब्र.यशपालजी जैन जयपुर, ब्र. सुमतप्रकाशजी खनियांधाना, पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री देवलाली, डॉ. राकेशजी शास्त्री नागपुर, डॉ. शान्तिकुमारजी पाटील जयपुर, डॉ.संजीवजी गोधा जयपुर, डॉ. नरेन्द्रकुमारजी शास्त्री जयपुर, डॉ. दीपकजी जैन जयपुर, पण्डित धर्मेन्द्रजी शास्त्री कोटा, डॉ. मनीषजी शास्त्री मेरठ, डॉ. प्रवीणजी शास्त्री बांसवाड़ा तथा सिद्धायतन-द्रोणगिरि के स्थानीय विद्वत्गण इत्यादि अनेक विद्वानों द्वारा प्रवचनों, प्रौढ कक्षाओं, व्याख्यानमाला, तत्त्वचर्चा आदि के माध्यम से लाभ प्राप्त होगा।

शिविर में प्रशिक्षण की अभ्यास कक्षायें पण्डित कमलचंदजी पिड़ावा एवं पण्डित अध्यात्मप्रकाशजी भारिल्ल मुम्बई के निर्देशन में प्रशिक्षित स्नातक विद्वान लेंगे। समस्त बालकक्षाओं का संचालन डॉ. शुद्धात्मप्रभा टडैया, मुम्बई के निर्देशन में होगा।

सम्पूर्ण शिविर श्री परमात्मप्रकाशजी भारिल्ल, पण्डित विपिनजी शास्त्री मुम्बई एवं पण्डित राजकुमारजी शास्त्री उदयपुर के कुशल निर्देशन में सम्पन्न होगा।

विशेष मांगलिक कार्यक्रम

रविवार, 20 मई 2018 प्रात: 8 बजे ध्वजारोहण एवं शिविर उद्घाटन समारोह	शुक्रवार, 25 मई प्रात: 10 बजे संकल्प दिवस एवं स्वाध्याय भवन का लोकार्पण
शनिवार, 26 मई 2018 रात्रि 8 बजे पण्डित टोडरमल स्नातक परिषद् का सम्मेलन	मंगलवार, 5 जून 2018 प्रशिक्षणार्थी सम्मेलन
रविवार, 27 मई 2018 प्रात: 10 बजे श्री समन्तभद्र शिक्षण संस्थान का अधिवेशन एवं सम्मान समारोह	बुधवार, 6 जून 2018 दीक्षान्त एवं समापन समारोह

विशेष ध्यातव्य

- शास्त्री महाविद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया इसी शिविर में पूर्ण की जाती है, अत: प्रवेश इच्छुक छात्र सिद्धायतन-द्रोणगिरि अवश्य पहुँचें।

मार्ग निर्देश

द्रोणगिरि के लिये निकटतम रेलवे स्टेशन सागर (SGO) है। यहाँ से द्रोणगिरि 120 कि.मी. है, सागर से बड़ामलहरा के लिये बसें हर समय मिलती हैं। इसके अलावा ललितपुर/झांसी से भी जा सकते हैं।

कार्यक्रम स्थल एवं संपर्क सूत्र

तीर्थधाम सिद्धायतन, मु.पो.-द्रोणगिरी, ग्राम-सेंधपा, तह.-बडामलहरा, जिला-छतरपुर 473201 (म.प्र.); स्वतंत्र शास्त्री (आवास प्रमुख) 9754967683, पंकज जैन (मैनेजर) 9753456868, शुभम शास्त्री (अधीक्षक) 8349981560, कार्यालय- 9977614254

नोट : (1) बालबोध प्रशिक्षण में प्रवेश पाने के लिए बालबोध पाठमाला भाग-1,2,3 की तथा प्रवेशिका प्रशिक्षण में प्रवेश पाने के लिए वीतराग-विज्ञान पाठमाला भाग-1,2,3 की प्रवेश प्रतियोगिता लिखित परीक्षा दिनांक 20 मई को दोपहर 2.00 बजे से ली जावेगी, जिसमें प्रथम श्रेणी के अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। अत: प्रवेशार्थी उक्त पुस्तकों की पूरी तैयारी करके आएं। प्रवेशिका प्रशिक्षण में उन्हें ही प्रवेश दिया जायेगा, जो बालबोध प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। (2) सभी प्रशिक्षणार्थी एवं शिविरार्थी अपना पासपोर्ट साइज फोटो एवं परिचय-पत्र साथ में अवश्य लायें।

निवेदक

सुशीलकुमार गोदिका अध्यक्ष	डॉ. हुकमचंद भारिल्ल महामंत्री	मा. चन्द्रभान जैन अध्यक्ष	व्या मुन्नालाल जैन महामंत्री	महेन्द्रकुमार गंगवाल अध्यक्ष	पं.अभय कुमार शास्त्री महामंत्री
एवं समस्त ट्रस्टीगण पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर		एवं समस्त ट्रस्टीगण श्री गुरुदत्त कुन्दकुन्द कहान दिग. जैन स्वाध्याय मंदिर ट्रस्ट, द्रोणगिरि		एवं समस्त पदाधिकारी प्रशिक्षण शिविर आयोजन समिति	

वीतराग-विज्ञान ही तीन लोक में सार।
वीतराग-विज्ञान का घर-घर होय प्रसार।।